कविता–स्नेह–निर्झर बह गया है

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. 'रेत ज्यों तन रह गया है'–इस पंक्ति का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।
2. अब यहाँ पिक या शिखी नहीं आते'–'पिक' और' शिखी' का अर्थ लिखिए।
3. दिये हैं मैंने जगत को फूल–फल'–' फूल–फल' का तात्पर्य लिखिए।
4. 'जीवन दह गया है' का तात्पर्य लिखिए।
5. 'बह रही है हृदय पर केवल अमा' का तात्पर्य लिखिए।
6. 'मैं अलक्षित हूँ' का तात्पर्य लिखिए।
7. 'कवि कह गया है '– इस पंक्ति में 'कवि 'से किसकी ओर संकेत किया गया है?
8. 'किया है अपनी प्रभा से चकित–चल'–इस पंक्ति में किस 'प्रभा 'की ओर संकेत किया गया है?
9. 'पंक्ति मैं वह हूँ लिखी नहीं जिसका अर्थ' का अर्थ लिखिए।
10. निराला का जन्म–मृत्यु वर्ष लिखिए।
11. निराला द्वारा संपादित दो पत्रिकाओं के नाम लिखिए।
12. निराला द्वारा लिखित दो लम्बी कविताओं के नाम लिखिए।
13. निराला द्वारा लिखित दो व्यंगपरक कविताओं के नाम लिखिए।
14. कवि निराला के प्रथम काव्य–संकलन का नाम लिखिए।
15. 'जूही की कली ' का प्रकाशन काल लिखिए।
16. निराला के जन्म स्थान का नाम लिखिए। वह किस राज्य में है?
17. निराला के पिता का नाम लिखिए।
18. निराला की पत्नी का क्या नाम था?
19. 'तुलसीदास' किसकी रचना है?
20. कुकुरमुत्ता' किसकी रचना है?
21. 'परिमल' का प्रकाशन–काल लिखिए।
22. 'अनामिका' किसकी रचना है?
23. 'सांध्य–काकली किसकी रचना है?
24. निराला के गीतों का संकलन किस नाम से प्रकाशित हुआ?
25. 'नये पत्ते 'किसकी रचना है?

वृहद उत्तरीय प्रश्न

1. 'स्नेह निर्झर बह गया है' कविता के मूल प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए।
2. 'स्नेह निर्झर बह गया है' कविता के काव्य–सौंदर्य पर विचार कीजिए।